श्रीः
श्रीमते रामानुजाय नमः
श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

पॆरियाऴ्वार् अरुळिच्चॆय्द पॆरियाऴ्वार् तिरुमॊऴि

५.२ – नॆय्क्कुडत्तै

This document has been prepared by

Sunder Kidāmbi

with the blessings of

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

His Holiness śrīmad āṇḍavan śrīraṅgam

श्रीः

श्रीमते रामानुजाय नमः

श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

५.२ – नेय्क्कुडत्तै

‡ नेय् क्कुडत्तै प्पट्रि ⋆
एरुम् ऎरुम्बुगळ् पोल् निरन्दु ⋆
ऎङ्गुम् कै क्कॊण्डु निच्किन्र नोय्गाळ् ! ⋆
कालम् पॆर उय्य प्पोमिन् ⋆
मॆय् क्कॊण्डु वन्दु पुगुन्दु ⋆
वेद प्पिरानार् किडन्दार् ⋆
पै क्कॊण्ड पाम्बणैयोडुम् ⋆
पण्डन्रु पट्टिनम् काप्पे ॥ 5.2.1 ॥

शित्तिरगुत्तन् ऎऴुत्ताल् ⋆
तॆन् पुल क्कोन् पॊरि ऒट्रि ⋆
वैत्त इलच्चिनै माट्रि ⋆
तूदुवर् ओडि ऒळित्तार् ⋆
मुत्तु त्तिरै क्कडऱ् शेर्प्पन् ⋆
मूदरिवाळर् मुदल्वन् ⋆
पत्तर्क्कमुदन् अडियेन् ⋆
पण्डन्रु पट्टिनम् काप्पे ॥ 5.2.2 ॥

वयिट्रिल् तॊऴुवै प्पिरित्तु ⋆
वन् पुल च्चेवै अदक्कि ⋆
कयिट्रुम् अक्काणि कऴित्तु ⋆
कालिडै प्पाशम् कऴट्रि ⋆

ऎयिट्रिडै मण् कॊण्ड ऎन्दै ⋆
इराप्पगल् ओदुवित्तु ⋆
ऎन्नै प्पयिट्रि प्पणि शॆय्य क्कॊण्डान् ⋆
पण्डन्रु पट्टिनम् काप्पे ॥ 5.2.3 ॥

मङ्गिय वल्विनै नोय्गाळ् ! ⋆
उमक्कुम् ओर् वल्विनै कण्डीर् ⋆
इङ्गु प्पुगेन्मिन् पुगेन्मिन् ⋆
ऎळिदन्रु कण्डीर् पुगेन्मिन् ⋆
शिङ्ग प्पिरान् अवन् ऎम्मान् ⋆
शेरुम् तिरुक्कोयिल् कण्डीर् ⋆
पङ्गप्पडादुय्य प्पोमिन् ⋆
पण्डन्रु पट्टिनम् काप्पे ॥ 5.2.4 ॥

माणि क्कुऱळ् उरुवाय ⋆
मायनै ऎन् मनत्तुळ्ळे ⋆
पेणि क्कॊणर्न्दु ⋆
पुगुद वैत्तु क्कॊण्डेन् पिऱिदिन्ऱि ⋆
माणिक्क प्पण्डारम् कण्डीर् ⋆
वलि वन् कुऱुम्बर्गळ् उळ्ळीर् ! ⋆
पाणिक्क वेण्डा नडमिन् ⋆
पण्डन्रु पट्टिनम् काप्पे ॥ 5.2.5 ॥

उट्र उऱु पिणि नोय्गाळ् ! ⋆
उमक्कॊन्रु शॊल्लुगेन् केण्मिन् ⋆
पॆट्रङ्गळ् मेय्क्कुम् पिरानार् ⋆
पेणुम् तिरुक्कोयिल् कण्डीर् ⋆
अट्रम् उरैक्किन्ऱेन् ⋆

इन्नम् आऴ्विनैगाळ् ! ⋆
उमक्किङ्गोर् पट्रिल्लै कण्डीर् नडमिन् ⋆
पण्डन्ऱु पट्टिनम् काप्पे ॥ **5.2.6** ॥

कॊङ्गै च्चिऱुवरै ऎन्नुम् ⋆
पॊदुम्बिनिल् वीऴ्न्दु वळुक्कि ⋆
अङ्गोर् मुऴैयिनिल् पुक्किट्टु ⋆
अऴुन्दि क्किडन्दुऴल्वेनै ⋆
वङ्ग क्कडल् वण्णन् अम्मान् ⋆
वल्विनै आयिन माट्रि ⋆
पङ्ग प्पडा वण्णम् शॆय्दान् ⋆
पण्डन्ऱु पट्टिनम् काप्पे ॥ **5.2.7** ॥

एदङ्गळ् आयिन ऎल्लाम् ⋆
इऱङ्ग विडुवित्तु ⋆
ऎन्नुळ्ळे पीदग वाडै प्पिरानार् ⋆
पिरम कुरुवागि वन्दु ⋆
पोदिल् कमल वन् नॆञ्जम् ⋆
पुगुन्दु ऎन् शॆन्नि त्तिडरिल् ⋆
पाद इलच्चिनै वैत्तार् ⋆
पण्डन्ऱु पट्टिनम् काप्पे ॥ **5.2.8** ॥

‡ उऱगल् उऱगल् उऱगल् ⋆
ऒण्शुडर् आऴिये ! शङ्गे ! ⋆
अऱ ऎऱि नान्दग वाळे ! ⋆
अऴगिय शार्ङ्गमे ! तण्डे ! ⋆
इऱवु पडामल् इरुन्द ⋆

ऐॆण्मर् उलोग पालीर्गाळ् !⋆
पऱवै अरैया ! उऱगल्⋆
पळ्ळियऱै कुऱिक्कॊण्मिन् ॥ **5.2.9** ॥

‡ अरवत्तमळियिनोडुम्⋆
अऴगिय पाऱ्कडलोडुम्⋆
अरविन्द प्पावैयुम् तानुम्⋆
अगम् पडि वन्दु पुगुन्दु⋆
परवै त्तिरै पल मोद⋆
पळ्ळि कॊळ्गिन्ऱ पिरानै⋆
परवुगिन्ऱान् विट्टुशित्तन्⋆
पट्टिनम् कावऱ् पॊरुट्टे ॥ **5.2.10** ॥

अडिवरवु – नॆय्क्कुडत्तै शित्तिरगुत्तन् वयिद्रिल् मङ्गिय माणि उद्र कॊङ्गै एदङ्गळ् उऱग अरवत्तु तुक्कचुळलैयै

नॆय्क्कुडत्तै मुद्रिद्रु
पॆरियाऴ्वार् तिरुवडिगळे शरणम्